A–362

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–609

नाटक एवं नाटिका भाग–02

MA SANSKRIT (MASL)

4th Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'मृच्छकटिकम' के रचयिता शूद्रक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

2. 'रत्नावली' नाटिका के प्रमुख पात्रों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

3. 'मृच्छकटिकम्' के अनुसार चारुदत्त एवं वसन्तसेना के चरित्र चित्रण का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित श्लोक में से किन्हीं **दो** श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

(क) वेगं करोति तुरगस्त्वरितं प्रयातुं
प्राणव्ययान्न चरणास्तु तथा वहन्ति।
सर्वत्र यान्ति पुरुषस्य चलाः स्वभावाः
खिन्नास्ततो हृदयमेव पुनर्विशन्ति॥

(ख) मेघा वर्षन्तु गर्जन्तु मुचन्त्वशनिमेव वा।
गणयन्ति न शीतोष्णं रमणाभिमुखाः स्त्रियः॥

(ग) अपद्मा श्रीरेषा प्रहरणमनंगस्य ललितं
कुलस्त्रीणां शोको मदनवरवृक्षस्य कुसुमम्।
सलीलं गच्छन्ती रतिसमयलज्जाप्रणयिनी
रतिक्षेत्रे रंगे प्रियपथिकसार्थैनुगता॥

5. निम्नलिखित श्लोक में से किन्हीं **दो** श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

(क) पवनचपल-वेगः स्थूलधारा-शरौघः
स्तनित-पटह-नादः स्पष्टविद्युत्पताकः।
ळरति करसमूहं खे शशांकस्य मेघो
नृप इव पुरमध्ये मन्दवीर्यस्य शत्रोः॥

(ख) बलाका पाण्डुरोष्णीषं विद्युदुत्क्षिप्तचामरम्।

मत्तवारणसारूप्यं कर्तुकाममिवाम्बरम्॥

(ग) सदा प्रदोषो मम याति जाग्रतः

सदा च मे निःश्वसतो गता निशा।

त्वया समेतस्य विशाललोचने

ममाद्य लोकान्तकरः प्रदोषकः॥

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'मृच्छकटिकम्' के पंचम अंक के कथा का सारांश लिखिए।
2. 'मृच्छकटिकम्' में वर्णित रस को अभिव्यक्त कीजिए।
3. 'मृच्छकटिकम्' के रूपकत्व पर प्रकाश डालिए।
4. 'मृच्छकटिकम्' के अनुसार समाजिक स्थिति का वर्णन कीजिए।
5. 'रत्नावली' के अनुसार वासवदत्ता का चरित्र चित्रण स्पष्ट कीजिए।
6. 'रत्नावली' के रचयिता का व्यक्तित्व वर्णन कीजिए।
7. 'रत्नावली' के प्रथम अंक का कथासार लिखिए।
8. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में 'मृच्छकटिकम्' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

****